भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †226

सोमवार, 21 जुलाई, 2025/30 आषाढ़, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान में होमस्टे को बढ़ावा देना

†226. श्री राहुल कस्वां:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए होमस्टे या विरासत-आधारित ग्रामीण आवास को बढ़ावा दे रही है और यदि हाँ, तो राजस्थान में सहायता प्राप्त पंजीकृत होमस्टे की संख्या कितनी है;

(ख) क्या अर्ध-शुष्क और रेगिस्तानी क्षेत्रों में होमस्टे संचालकों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा कोई प्रोत्साहन अथवा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा राजस्थान में पारिस्थितिक पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग किया जा रहा है; और

(घ) यदि हाँ, तो ऐसे सहयोग के परिणाम क्या हैं और वर्ष 2025-26 के लिए क्या योजनाएं बनाई गई हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी, हाँ। पर्यटन मंत्रालय घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अपने क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से होमस्टे या विरासत-आधारित ग्रामीण आवास के संवर्धन हेतु विभिन्न कार्यशालाओं/संगोष्ठियों का आयोजन करता है। पर्यटन मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भी इसे बढ़ावा दिया जाता है। पर्यटन मंत्रालय के निधि + पोर्टल के अनुसार, राजस्थान में 72 होमस्टे पंजीकृत हैं।

(ख): जी, हाँ। भारत सरकार ने अर्ध-शुष्क और मरुस्थलीय क्षेत्रों सहित पूरे देश में होमस्टे की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2025-26 के लिए बजट घोषणा में होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण के संपार्श्विक मुक्त संस्थागत ऋण की घोषणा की है।

इसके अलावा, सरकार ने जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी दी और 1000 होमस्टे का विकास इस योजना का एक हिस्सा है। राज्य/संघ राज्यक्षेत्र जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार पात्रता के

अधीन, 5-6 गाँवों के समूह में प्रति गाँव 5-10 होमस्टे के लिए अधिकतम 5 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने "सेवाप्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण" (सीबीएसपी) योजना लागू की है, जो पर्यटन सेवा प्रदाताओं और होमस्टे मालिकों सहित आतिथ्य क्षेत्र को शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करती है, ताकि देश की अपार पर्यटन क्षमता का पूरा लाभ उठाने के लिए पर्यटन उद्योग के हर स्तर पर जनशक्ति को उन्नत किया जा सके और स्थानीय लोगों को पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान की जा सके, साथ ही शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर सृजित किए जा सकें।

(ग) और (घ): जी हाँ। पर्यटन मंत्रालय द्वारा चिह्नित तीर्थ स्थलों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में 'राष्ट्रीय तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत, संवर्धन अभियान मिशन' (प्रशाद) की शुरुआत की गई थी। प्रशाद योजना के तहत पुष्कर/अजमेर के एकीकृत विकास के लिए 32.64 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

इसी तरह, मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन के तहत देश में विभिन्न विषयगत परिपथों के तहत कुल 76 परियोजनाओं और स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 52 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। स्वदेश दर्शन और स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत राजस्थान में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** की सारणी 1 और सारणी 2 में दी गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने व्यय विभाग के निर्देशों के अनुरूप, पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों के विकास के लिए राज्य सरकारों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए परिचालन दिशानिर्देश और टेम्पलेट जारी किया था। भारत सरकार ने 3295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी। एस.ए.एस.सी.आई. के तहत राजस्थान में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** की सारणी 3 में दी गई है।

*****

अनुबंध

श्री राहुल कस्वां द्वारा राजस्थान में होमस्टे को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 21.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †226 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में **विवरण**

सारणी 1: स्वदेश दर्शन योजना के तहत दिनांक 24.06.2025 तक की स्थिति के अनुसार राजस्थान राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि करोड़ रु. में**	**जारी/प्राधिकृत की गई राशि करोड़ रु. में**	**उपयोग की गई राशि करोड़ रु. में**
1.	मरुस्थल परिपथ 2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01	50.01	55.89
2.	कृष्ण परिपथ 2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) एवं नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80	73.85	77.49
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ - 'चूरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कामां क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंद) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05	75.03	75.03
4.	विरासत परिपथ 2017-18	विरासत परिपथ - राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेडी) - उदयपुर	70.61	66.99	67.04

		(प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-नीलोफोर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरीकोठी) का विकास			

सारणी 2: स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत दिनांक 24.06.2025 तक की स्थिति के अनुसार राजस्थान राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	स्वीकृति वर्ष	गंतव्य	एक्सपीरियंस का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)
1.	2023-24	बूंदी	आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन	21.65
2.	2024-25	सीकर	श्री खाटूश्याम जी मंदिर (सीकर) में विकास कार्य	87.87
3.	2024-25	करणी माता मंदिर, बीकानेर जिला	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य	22.57
4.	2024-25	मालासेरी डूंगरी (जिला - भीलवाड़ा)	मालासेरीडूंगरी, भीलवाड़ा जिले का विकास	48.73

सारणी 3: एसएएससीआई योजना के तहत दिनांक 24.06.2025 तक की स्थिति के अनुसार राजस्थान राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)
1.	2024-25	जयपुर में आमेर-नाहरगढ़ और आसपास के क्षेत्र में विकास	49.31
2.	2024-25	जयपुर में जलमहल का विकास	96.61

*****